देशज संस्कृति के प्रसार में यू-ट्यूब की भूमिका

Role of YouTube Disseminating an Indigenous Culture

जनसंचार में एम. फिल. उपाधि की आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

शोध सारांश

लघु शोध प्रबंध

सत्र-2016-17

शोध निर्देशक
डॉ. धरवेश कठेरिया
सहायक प्रोफ़ेसर
जनसंचार विभाग

शोधार्थी
भँवर लाल सेणचा
पंजीकरण संख्या -2016/05/208/003

जनसंचार विभाग
(मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र) भारत

देशज संस्कृति के प्रसार में यू-ट्यूब की भूमिका

शोध सूचक शब्द :- देशज संस्कृति, यू-ट्यूब, वीडियो, चैनल एवं दर्शक

भूमिका

संस्कृति एक शब्द मात्र नहीं है। बल्कि यह मनुष्य के ऐसे संस्कारों का संगुच्छ है जो इस दुनिया में मनुष्य को दूसरे प्राणियों से पृथक और विशिष्ठ पहचान दिलाती है। मनुष्य अपनी प्रवृतियों, प्रकृति तथा जीवन-दृष्टि को संस्कृति में समाहित करके ही समुदाय, समाज में यश पाता है। मनुष्य अपने जीवन-यापन के लिए एक निश्चित कार्य पद्धति को अपने भीतर विकसित करता है। इस पद्धति से मनुष्य समाज में पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कृति के हस्तांतरण का माध्यम भी रहा है।

वर्तमान युग में मनुष्य सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से संस्कृति की दिशा और दशा को समुचित पथ तक पहुँचाने में तत्पर है। आज सूचना प्रौद्योगिकी मनुष्य को दिशा दिखाने का ही नहीं बल्कि सूचनाओं को व्यवस्थित रूप से सजोये रखने में भी अपना अहम योगदान दे रही है। इस सूचना प्रौद्योगिकी से मनुष्य नए-नए अविष्कारों के द्वारा संपूर्ण विश्व की जानकारी को अपने भीतर आत्मसात करने की कोशिश कर रहा है।

भारतीय संस्कृति में तीन शाश्वत मूल्यों की बात कही जाती है- सत्यं, शिवं, सुंदरम। इन तीनों शाश्वत मूल्यों से मनुष्य अपने समाज को एक सकारात्मक राह की ओर आगे बढ़ाने में प्रयासरत रहता है। आज सूचना प्रौद्योगिकी से मनुष्य में जिज्ञासु प्रवृतियाँ ज्यादा ही पनपने लगी है। यह मनुष्य को कई जगह लाभदायक भी साबित होती है और कई जगह नुकसानदायक भी होने लगी है।

जब मनुष्य अपने जीवन में अपनी जीवन-दृष्टि को विकसित करता है, वह जीवन-शैली, परंपरा, ज्ञान-विज्ञान, खान-पान, रीति-रिवाजों एवं मूल्यों को समाज में अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करता है। यह सभी संस्कृति के मूलत: अवयव है। इन अवयवों के माध्यम से समाज को एक सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर करता हुआ समयानुकूल बदलाव के साथ व्यवस्थित रूप में निरंतर प्रगति ओर बढ़ाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मनुष्य एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपनी संस्कृति के अवयवों को भी

साथ ले जाकर वहाँ भी एक आदर्श समाज का निर्माण करता था। आज संचार प्रौद्योगिकी के समय में मनुष्य पल भर में सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान आसानी से पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली है।

संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से संस्कृति को मनुष्य अपने अंदर विकसित करने व इसे डिजिटल प्रारूप में सरंक्षित रखने हेतु किये जाने वाले प्रयासों में सफलता हासिल कर पायेगा या आने वाले समय में संस्कृति नगण्य हो जाएगी। इस उद्देश्य को लेकर संस्कृति के प्रसार में संचार के माध्यमों का उपयोग करके संस्कृति को सरंक्षित रखने में एवं समाज में संस्कृति के अवयवों का वर्चस्व किस प्रकार बना रहे ? और क्या संस्कति के उन अवयवों से आदर्श समाज बनाए रखने एवं सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसित करने में संचार प्रौद्योगिकी उपयोगी साबित होगी। तथा क्या इन प्रसारित माध्यमों से संस्कृति के उन अवयवों का प्रसारण हो रहा है ? जो मनुष्य को अन्य दूसरे प्राणियों से पृथक और विशिष्ठ पहचान दिलाती हैं।

इसी उद्देश्य को जानने हेतु शोध विषय में वैकल्पिक मीडिया (यू-ट्यूब वेबसाइट) के माध्यम से देशज संस्कृति के प्रसार में क्या भूमिका रही है ? इसलिए इस विषय को चुना गया है।

शोध प्रश्न

1. क्या यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनल देशज संस्कृति के विषय-वस्तु को भारतीयों में प्रसारित कर रहा है ?
2. क्या यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनलों द्वारा प्रसारित देशज संस्कृति भारतीयों द्वारा अपनाई जा रही हैं ?
3. यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनल देशज संस्कृति पर क्या प्रभाव डाल रहा हैं ?

शोध उद्देश्य

इस शोध कार्य द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया है-

1. देशज संस्कृति के प्रभावी कारकों का अध्ययन करना।
2. देशज संस्कृति का यु-टयूब वेबसाइट के चैनल पर उपलब्ध तत्वों का अध्ययन करना।

3. यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनलों द्वारा देशज संस्कृति के प्रसार की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
4. .देशज संस्कृति संवर्धन में यू-ट्यूब वेबसाइट से चैनलों का योगदान का अध्ययन।
5. यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनलों पर उपलब्ध देशज संस्कृति के जीवन-शैली, मूल्य, ज्ञान-विज्ञान और रीति-रिवाज एवं परंपराओं का वर्तमान पीढ़ी द्वारा ग्रहणशीलता का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध में संस्कृति से संबंधित होने की वजह से इसके गुण-धर्म के आधार पर इनकी व्याख्या करनी है। यह प्रस्तुत शोध गुणात्मक प्रविधि का प्रयोग किया गया है। शोध उद्देश्य के अनुरूप यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनल से देशज संस्कृति की प्रभावशीलता का अध्ययन हेतु में द्वितीयक आंकड़ों का गुणात्मक विश्लेषण भी किया गया है।

शोध अभिकल्प

प्रस्तुत शोध अध्ययन देशज संस्कृति के प्रसार में यू-ट्यूब वेबसाइट की भूमिका के व्याख्या और वर्णन से संबंधित है इसलिए इसमें 'वर्णात्मक विधि 'का प्रयोग किया गया है। इसके अंतर्गत यू-ट्यूब के चैनलों से संबंधित तथ्यों का विस्तार से वर्णन एवं विश्लेषण किया गया है।

निदर्शन

प्रस्तुत शोध कार्य में निदर्शन के अंतर्गत निम्नलिखित बिंदुओं को समाहित किया गया है।

I. निदर्शन पद्धति का चयन

प्रस्तुत शोध यू-ट्यूब के चैनल के कारण 'असंभावित प्रतिदर्शन'(Non-Probability Sampling) के 'उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन'(Purposive Sampling) का प्रयोग कर यू-ट्यूब से चैनलों का चयन किया गया है। इसमें देशज संस्कृति से संबंधित बिंदुओं का चयन किया गया हैं।

II. निदर्शन इकाई का निर्धारण

प्रस्तुत शोध विषय को संस्कृति और यू-ट्यूब को दृष्टिगत रखते हुए निदर्शन इकाई के रूप में यू-ट्यूब वेबसाइट से पांच अवयवों के विषयवस्तु जिसमें-जीवन-शैली, ज्ञान-विज्ञान, रीति-रिवाज, परम्पराएं एवं मूल्यों को शामिल किया गया है। इन चैनलों का चयन जो भारतीय संस्कृति को दर्शाने में योगदान है। यू-ट्यूब भारत तथा विश्व में सबसे ज्यादा वीडियो को अपलोड करने, लोगों द्वारा वीडियो को देखने और सेवाएँ देने के साथ ही प्रवासी भारतीयों द्वारा भी संस्कृति को जानने हेतु भरोसेमंद सारगर्भित वेबसाइट हैं। इसलिए इस शोध में यू-ट्यूब वेबसाइट को अध्ययन के रूप निदर्शन इकाई लिया गया है।

निदर्शन आकार का निर्धारण

निदर्शन आकार के चयन हेतु देशज संस्कृति से संबंधित अवयवों जीवन-शैली, ज्ञान-विज्ञान, रीति-रिवाज,परम्पराएं एवं मूल्यों पर भारतीयों द्वारा अपलोड गए वीडियो यू-ट्यूब चैनलों में कुल 5 चैनल को शोध विषय में शामिल किया गया है। इसमें प्रत्येक अवयव से संबंधित वीडियो को देखकर दर्शक द्वारा को देशज संस्कृति से रूबरू होने करने तथा अपने जीवन में ग्रहण करने हेतु प्रेरित कर रहा है।

निष्कर्ष

इस शोध समस्या को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी ने शोध के माध्यम से यह जानना चाहा कि संस्कृति के मूल अवयवों के प्रसारण में वैकल्पिक मीडिया सही माध्यम साबित हुआ है। आज इन संस्कृति के अवयवों की वर्तमान में प्रासंगिकता क्या है ? इस शोध के माध्यम से यह निष्कर्ष निकलता है कि वर्तमान में जो देशज संस्कृति को बचाने में वैकल्पिक मीडिया का उपयोग हो रहा है। उससे देशज संस्कृति आने वाली पीढ़ियों के लिए सारगर्भित होगी। एक आदर्श समाज को पुनर्निर्माण करने में सफल होंगे। जिससे आने वाली पीढियों के लिए साक्ष्य भी होगा। और वे पीढियां भी इन संस्कृति के अवयवों को अपने जीवन में आत्मसात करके समाज में मनुष्य एक सर्वोच्च प्राणी के दर्जे को बरक़रार रखेंगे।

Research Summary

Role of YouTube in Disseminating an Indigenous Culture

Keywords - Indigenous Culture, YouTube, Videos, Channels and Viewers

Introduction

Culture is not just a word. Rather it is a bunch of such human rituals, which gives a separate and distinct identity to them from other beings in this world. The human achieves lots of fame in his or her community as well as in society with the help of incorporating its nature, tendencies and life-matter into culture. Human develops a certain methodology within himself for his life-earning. Through this method, human beings have been the means of culture transference from one generation to another in the society.

In the current era, human beings are sincere to transfer the sense of direction and condition of culture through information technology to the proper path. Today, information technology is not only showing the right direction to humans, but is also contributing to organize a lot of information in a systematic way. With this information technology, human is trying to assimilate the information of the whole world himself with his or her innovative inventions.

In Indian culture, three eternal values are suggested i.e. Truth, Shiva & Sundaram. With these three eternal values, human continues to move his or her society towards a successive or positive path. Today, the information technology

helps to disseminate the curious trends in humans tremendously. It is proven to be beneficial and sometimes it may be harmful to humans in many situations.

When a person develops the approach in his life, he/she tries to maintain his/her life-style, tradition, knowledge-science, food habits, customs and values in his/her society. These are very essential components of all about the culture. It helps to provide a continuous progress in the systematic form with a timely change leading the society towards a positive direction through these components. According to mythological beliefs, Human also took the components of his own culture from one place to another, and also built an ideal society there. Today, in the age of communication technology, human has achieved success in disseminating information within seconds from one place to another easily.

Human beings will be able to get the success through communication technology, in efforts to develop the culture himself and protect it in digital format or culture will become negligible in the upcoming future. How to protect the culture by using medium of communication through dissemination and how to maintain the dominant components of culture in the society? And Whether communication technology will be useful in maintaining the ideal society and forwarding towards positive direction by the components of the culture? Whether the transmission of these components of culture to those broadcast mediums which give a separate and distinct identity to other human beings?

Researcher tried to know all these objectives selected this topic as the study about the role of alternative media (YouTube website) has been played in disseminating of indigenous culture

Research Questions

1. Whether the channels of the YouTube website disseminating the contents of indigenous culture in the Indian people?

2. Has the indigenous culture disseminated by the YouTube channels been adopted by Indians?

3. What are the effects of the YouTube website channel's on Indigenous Culture?

Research Objectives

Regardless of the technique and delimitation of research, there is a concrete goal of research. Keeping in mind the same goal, the researcher has carried forward the subject of his dissertation entitled "Role of YouTube in Disseminating Indigenous Culture". There was a number of reasons behind the selection of the problem for research by the researcher and the research has been completed by changing those reasons into objectives. This research work focused on the following objectives of the study:

1. To study about the effective factors of indigenous culture.

2. To Study about the available elements of indigenous culture on the YouTube website channels.

3. To Study about the effectiveness of the disseminating indigenous culture by the YouTube website channels.

4. Study about the contribution of YouTube website channels in promoting of indigenous culture.

5. Study the life-style, values, knowledge, customs and traditions acquired by the present generation of indigenous culture available on the YouTube website's channels.

Research Methodology

In this Study, due to the culture based study, it is to be explained on the basis of its merit-religion. Qualitative methodology has been used in this research study. According to the research purpose, a qualitative analysis of secondary data has also been done by the researcher for the study of effectiveness of indigenous culture from the YouTube website channel.

Research Design

This research study is related to the interpretation and description of the 'Role of YouTube website in disseminating an Indigenous Culture, hence 'Descriptive Method' has been used in this study. Researcher tried to highlight the facts related to YouTube channels have been described in detail and analyze the results in his study. Findings of the whole research were written in points in the last chapter of the dissertation. Quantitative and qualitative analysis method has been used in this study. Through the use of this method and the data of facts, efforts have been made to reach on findings.

Sampling Method

The following points have been covered under the sampling process of this research study.

I. **Selection of Sampling Method**

In this research study five channels have been selected on YouTube website related to indigenous culture which has been included. These are Veena Music - based on Rajasthani language folklore, Patanjali Ayurveda - related to Ayurveda, Ministry of Culture - Government of India initiative and Nisha Madhulika Recipe - Food related and Art of Gallery - related to artwork by using 'Purposive Sampling' of Non-Probability Sampling'.

II. **Determination of Sampling Methods**

This research study reflects the approach towards the subject of culture and YouTube including content of five components from the website as a demonstration unit, in which the life-style, knowledge-based, customs, traditions and values have been included. These channels have been taken for contributing to reflect Indian culture so far. Apart from this uploading the most videos on the YouTube which is the largest video website in India and the world, by watching videos and providing services to the people, it is also an overview of the reliable information are available by the Overseas Indians. Hence in this study, the YouTube website has been taken as a sampling unit of study.

Determination of Sample Size

In this study, total five channels have been taken for the selection of sampling size of uploaded videos seeing by Indians related to each component on life-style, knowledge-based science, customs, traditions and values have been included in this study also including video contents related to the culture of indigenous culture. The viewers are encouraging the indigenous culture and accepting it in their life.

Conclusion

The researcher wanted to know through this study by keeping research problems in his mind, that alternate media has proved to be the authentic medium in disseminating the core components of culture. What is the relevance of these components of the culture in the current era? Through this study, it concludes that alternative media is currently being used to keep protect the indigenous culture which will be auspicious for the next upcoming generations. This study also will succeed to reconstruct an ideal society and it will also be an evidence for the upcoming those future generations who will also assimilate these components of the culture in their lives as well as humans will retain the status of a supreme being in the society. This research will be benefitted for both academic and business people. This research is important for multi levels.